

कर्ण का मित्र प्रेम कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ४
पाठ का नाम : कर्ण का मित्र प्रेम
PPT-5

CHANGING YOUR TOMORROW

प्रश्नोत्तर

मौखिक

प्रश्न - (क) कर्ण किसका ऋणी था ?

उत्तर = कर्ण दुर्योधन का ऋणी था ।

प्रश्न -(ख) कृष्ण को कौन कथा बता रहा है?

उत्तर = कृष्ण को कर्ण कथा बता रहा है ।

प्रश्न -(ग) तन,मन,धन कर्ण ने किसे समर्पित किया है?

उत्तर = तन,मन,धन कर्ण ने दुर्योधन को समर्पित किया है ।

प्रश्न (घ)- कवि के अनुसार कौन- सा धर्म श्रेष्ठ है?

उत्तर = कवि के अनुसार मित्र- धर्म श्रेष्ठ है ।



लिखित

1. भाव स्पष्ट कीजिए—

मित्रता बड़ा अनमोल रतन,
कब इसे तौल सकता है धन?
धरती की तो है क्या बिसात?
आ जाए अगर बैकुंठ हाथ,
उसको भी न्योछावर कर दूँ,
कुरुपति के चरणों पर धर दूँ।

उत्तर .

भाव स्पष्टीकरण -

इस पद्यांश में कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने मित्र के प्रति अटल प्रेम को व्यक्त करते हुए कहा है कि मित्रता एक ऐसा रत्न है जिसका मूल्य नहीं आँका जा सकता है। कर्ण ने मित्रता का महत्व देते हुए श्रीकृष्ण से कहा है कि जमीन की बात तो छोड़ दीजिए। यदि स्वर्गलोक भी मुझे मिल जाए तो उसे भी मैं दुर्योधन के चरणों में समर्पित कर दूँगा।

2. रिक्त स्थान भरिए -

है ऋणी कर्ण का रोम - रोम ,
जानते सत्य यह सूर्य सोम ।
तन , मन , धन दुर्योधन का है ,
यह जीवन दुर्योधन का है ।
सरपर से भी मख मोड़ंगा ,
केशव , मैं उसे न छोड़ंगा ।

गृहकार्य - उपरोक्त प्रश्नोत्तर कॉपी में लिखना ।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP